B-384
L-21
Internal Security

## संगठित अपराध का स्वरूप / प्रकार →

- ड्रग तस्करी एवं अवैध मादक द्रव्य / शराब का व्यापार।
- वैश्यावृत्ति एवं मानव तस्करी।
- हथियारों की तस्करी।
- हवाला एवं मनी - लॉन्ड्रिंग।
- जबरन वसूली, अपहरण, कॉन्ट्रैक्ट किलिंग।
- जुआ / सट्टा माफिया।

## संगठित अपराध एवं आतंकवाद के मध्य संबंध →

संबंधों को निम्न रूपों में देखा जा सकता है -

वित्तीय आधार पर संबंध - जब आतंकवादी एवं संगठित अपराधी वित्तीय हितों की पूर्ति हेतु एक - दूसरे से जुड़ते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

लॉजिस्टिकल आधार पर संबंध - जब संगठित अपराधी एवं आतंकी संगठन दोनों एक-दूसरे के क्रियाकलापों में सहयोगी की भूमिका में रहते हैं। जैसे आतंकियों हेतु वाहन, आवास, मोबाइल नम्बर, पहचान पत्र आदि उपलब्ध कराना या संगठित अपराधियों के लिए अन्य देशों में सभी सुविधा उपलब्ध कराना।

ऑपरेशनल आधारित संबंध - जब एक-दूसरे के ऑपरेशन को प्रत्यक्ष रूप से पूरा करने हेतु आतंकवादी एवं संगठित अपराधी एक-दूसरे से संबंधित रहते हैं।

वैचारिक आधार पर संबंध - वैचारिक साम्यता में भी भारतीय संगठित अपराध को आतंकवाद से संबंधित किया है।

## संगठित अपराध एवं आतंकवाद के मध्य संबंध के दुष्परिणाम →

- आतंकवाद को वित्तीय समर्थन एवं बढ़ावा।
- भ्रष्टाचार एवं कालाधन में वृद्धि।
- संगठित अपराध एवं अपराध में वृद्धि तथा वित्तीय व्यवस्था कमजोर।
- मनी लॉन्ड्रिंग एवं आर्थिक क्षति।
- धन- माल की हानि और आर्थिक विकास बाधित।
- देश की आंतरिक सुरक्षा को खतरा।

## आतंकवाद एवं संगठित अपराध के बीच संबंध का कारण →

- शीत युद्ध की समाप्ति, आतंकवादियों को मिलने वाले पैसे बंद हुए; वे संगठित अपराध की ओर उन्मुख।
- 2001 के बाद आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक

युद्ध का ऐलान फलत: आतंकवादियों के स्रोत पर प्रहार फलत: वे संगठित अपराध की ओर उन्मुख।

- विश्व स्तर पर धार्मिक कट्टरवाद में वृद्धि फलत: धार्मिक आतंकवाद में वृद्धि और आतंकी संगठनों को धन की जरूरत।
- वैश्वीकरण एवं धन के महत्व में वृद्धि, फलत: संगठित अपराध का आतंकी संगठनों के साथ संबंध।
- वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के निहित स्वार्थ।
- आतंकवाद एवं संगठित अपराध को नियंत्रित करने वाले कारकों का कमजोर होना।

आतंकवाद एवं संगठित अपराध का नियंत्रण हेतु किए गए प्रयास → PDF.

## आतंकवाद एवं संगठित अपराध के मध्य संबंध के नियंत्रण के समक्ष चुनौतियाँ →

- अपर्याप्त कानून तथा जटिल एवं लेट-लतीफ -याय व्यवस्था।
- सबूत एवं गवाह जुटाने में कठिनाई।
- Trail एवं अपराध सिद्धी का निम्न स्तर।
- भ्रष्टाचार।
- सुरक्षा व्यवस्था की अपर्याप्तता एवं विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय का अभाव।
- राजनीतिज्ञों द्वारा संरक्षण एवं राजनीति का अपराधीकरण।
- वैश्विक सहयोग का अभाव।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Trusted Learning Partner
KHAN SIR